Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the regularization of guest teachers in Delhi.

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा (पश्चिमी दिल्ली) : अध्यक्ष जी, नमस्कार । मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है । दिल्ली में बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है, क्योंकि दिल्ली के जो 1031 स्कूल हैं, उनमें टीचर्स की 64 हजार सैंक्शंड स्ट्रैंग्थ है, लेकिन उनमें से केवल 35 हजार टीचर्स ही उपलब्ध हैं और 29 हजार टीचर्स की शॉर्टेज है । इन 35 हजार टीचर्स में भी 22 हजार टीचर्स कॉन्ट्रैक्ट पर हैं, गेस्ट टीचर्स हैं । हर साल 9वीं क्लास में दिल्ली सरकार के स्कूलों में एक लाख से ज्यादा बच्चे फेल होते हैं । दिल्ली सरकार उनको न तो रिपीट करवाती है और न ही 10वीं में एडमिशन देती, केवल उनको ट्रांसफर सर्टिफिकेट दे देती है । वे बच्चे कोरेसपोंडेंस में चले जाते हैं । बच्चों का भविष्य पूरी तरह से खराब हो रहा है । ये जो 21 या 22 हजार टीचर्स हैं, इनको महीने में केवल 15 दिन बुलाया जाता है और एक हजार रुपये दिए जाते हैं । मैं आपसे और सदन से पूछना चाहता हूं कि अगर महीने में टीचर को 15 हजार रुपये मिलेंगे तो वह बच्चों को क्या पढ़ाएगा और उसकी क्या मानसिक स्थिति होगी?

एक तरफ तो दिल्ली के मुख्य मंत्री पंजाब में जाकर बोलते हैं कि वहां के 36 हजार गेस्ट टीचर्स को एक साल के अंदर रेगुलराइज कर दूंगा और दिल्ली में सात साल से, जहां पर उनकी सरकार है, वहां पर उन्होंने अभी तक एक भी गेस्ट टीचर रेगुलराइज नहीं किया है । वहां 22 हजार गेस्ट टीचर्स हैं । उन्होंने दिल्ली में वादा किया था कि मैं 500 नए स्कूल बनाऊंगा और 20 नए कॉलेज बनाऊंगा, मगर एक भी नया स्कूल नहीं बना, एक भी नया कॉलेज नहीं बना तथा एक भी गेस्ट टीचर रेगुलराइज नहीं हुआ ।

आज दिल्ली के बच्चों का जो भविष्य खराब हो रहा है, दिल्ली के मुख्य मंत्री उसका बहुत बड़ा कारण हैं । वे ... * के जहाज पर चलते हैं । भारत सरकार से कहूंगा कि वे दिल्ली के मुख्य मंत्री का ... * उनसे बात करे । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, नो ।

... (व्यवधान)

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : सर, वह दिल्ली के मुख्य मंत्री से बात करें । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज, प्लीज ।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट ।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप माननीय हैं । आप ऐसे शब्द न बोला करें ।

… (व्यवधान)

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : सर, ठीक है, मैं अपने शब्द वापस ले रहा हूं । … (व्यवधान) सर, सात साल में दिल्ली के मुख्य मंत्री एक भी गेस्ट टीचर को पक्का नहीं कर पाए हैं और वे पंजाब में जाकर वादा कर रहे हैं तो इससे बड़ा ... * क्या हो सकता है ।

माननीय अध्यक्ष : उस शब्द को निकाल देना ।